This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7369**

Unique Paper Code : **2271501** **F-7**

Name of the Paper : **Indian Economic Development–Historical Perspectives & Current Issues–I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "Nature of colonial India is crucial to understand the subsequent changes in the growth process of the Indian Economy during the first half of the 20th century." Discuss.

"20वीं सदी के पूर्वार्ध के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की प्रक्रिया में परिवर्तन को समझने के लिए औपनिवेशिक भारत की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है ।" व्याख्या कीजिये ।

P.T.O.

2. Discuss the "Nehru Mahalanobis Growth Model" as adopted in India during second five year plan. Give a comparative analysis of India's Economic Growth with the worlds' best performing economies between the period 1950-1992.

द्वितीय पंचवर्षीय योजना के दौरान अपनाये गये ''नेहरू महालनोबिस मॉडल'' की व्याख्या कीजिये। 1950-1992 की अवधि के बीच विश्व के सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिये ।

3. "India's potential for high economic growth is certainly a major asset for the country's development. Efforts to enhance its performance must remain an important priority, along with improving Human Development Index." Do you agree ? Give reasons for your answer.

''उच्च आर्थिक विकास के लिए भारत की संभावनाएँ निश्चित रूप से देश के विकास के लिए एक प्रमुख परिसंपत्ति है । इसके प्रदर्शन को सुधारने के प्रयासों के साथ-साथ मानव विकास सूचकांक में सुधार करना एक महत्त्वपूर्ण प्राथमिकता होनी चाहिए ।'' क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर का कारण दीजिए ।

4. What are the causes of mortality and fertility decline in India after Independence ? In this context explain India's Demographic Transition and its impact on socio-economic development.

स्वतंत्रता के बाद भारत में मृत्यु दर और प्रजनन क्षमता में कमी के क्या-क्या कारण हैं ? इस संदर्भ में भारत की जनसांख्यिकीय संक्रमण का वर्णन कीजिए और सामाजिक-आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए ।

5. Examine the factors responsible for inequity in access to basic health services in India. Suggest suitable policy measures for enhancing equity for access to basic health services in India.

भारत में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के पहुँच में असमानता के लिए जिम्मेदार कारकों का परीक्षण कीजिए । भारत में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के पहुँच में समानता बढ़ाने के लिए उपयुक्त नीतिगत सुझाव दीजिए ।

6. Discuss the concept of "first boys and first girls" and "the last boys and the last girls." How the Indian Educational System exhibits differentiations which are driven by economic and social inequality.

"पहले लड़के या लड़कियाँ" एवं "आखिरी लड़के या लड़कियाँ" की अवधारणा की व्याख्या कीजिए । भारतीय शिक्षा प्रणाली भेदभाव को किस प्रकार दर्शाती है जो आर्थिक और सामाजिक असमानता से प्रेरित है ?

7. Discuss the 'Diversification' and the 'Impoverishment' views in the context of recent trends in food intake in India. Suggest measures to improve nutritional standard in India.

भारत में भोजन के सेवन में हाल के रुझानों के संदर्भ में 'विविधीकरण' और 'दरिद्रता' सम्बंधी अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए । भारत में पोषण स्तर में सुधार के लिए उपाय बताइये ।

8. "There has been higher growth, but higher inequality too." In the light of this statement analyze the magnitude of Poverty in India. Does India need to learn from China and Brazil about their specific policies for poverty reduction ?

"उच्च विकास दर के साथ असमानता भी विद्यमान रही है ।" इस कथन के संदर्भ में भारत में गरीबी की व्यापकता का विश्लेषण कीजिए । क्या भारत को गरीबी कम करने के लिए चीन और ब्राजील की विशिष्ट नीतियों से सीख लेने की आवश्यकता है ?